1. रामचंद्र शुक्ल का साहित्य इतिहास ग्रंथ' हिंदी साहित्य का इतिहास' नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित 'हिंदी शब्द सागर' की भूमिका में किस शीर्षक से लिखा गया था - हिंदी साहित्य का विकास

2. ए डिक्शनरी ऑफ इंग्लिश एंड हिंदुस्तानी के लेखक हैं - जॉन गिलक्रिस्ट

@gyansindhu competition Classes

3. हिंदी साहित्य के इतिहास में आदिकाल के लिए आधार काल नाम दिया- डॉ मोहन अवस्थी तथा सुमन राजे

4. "इतिवृत्त और आलोचना का समवेत रूप होने से वह इतिहास आज भी प्रकार के स्तंभ बना हुआ है।" इस कथन में जिस इतिहास की ओर संकेत किया गया है उसके लेखक हैं- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

@yansindhu competition Classes

5. एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल की पत्रिका के विशेषांक के रूप में निकलने वाला हिंदी साहित्य का इतिहास कौन सा है- द मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान

6. रचनाएं जो मिश्र बंधुओं द्वारा रचित है- बूंदी वारीश, भारत विनय, पुष्पांजलि।

7. 'हिंदी साहित्य का व्रहत इतिहास' इतिहास ग्रंथ का प्रकाशन हुआ था- नागरी प्रचारिणी सभा काशी द्वारा

Gyansindhu competition Classes

8. मिश्र बंधुओं में सम्मिलित हैं- गणेश बिहारी, श्याम बिहारी, शुकदेव बिहारी

9. किसने अपने हिंदी साहित्य इतिहास में आदिकाल को संधिकाल तथा चारण काल नामके दो क्षेत्रों में विभाजित किया है- डॉ रामकुमार वर्मा

10. हिंदी काव्य धारा के संग्रहकर्त्ता- साहित्यकार का नाम क्या है- महापंडित राहुल सांकृत्यायन

Gyansindhu competition Classes

11. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास के लेखक हैं- गणपति चंद्रगुप्त

12. नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित हिंदी साहित्य का बहाव इतिहास के प्रथम भाग का शीर्षक है- हिंदी साहित्य की पीठिका

Gyansindhu competition Classes

13. गार्सा द तासी के इतिहास ग्रंथ 'इतवार द ला लितरेत्योर ऐंदुई ऐंदुस्तानी' का दूसरा संस्करण कब प्रकाशित हुआ- 1871 ई.

14. इतिहास ग्रंथ जो आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के है- हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास , हिंदी साहित्य की भूमिका , हिंदी साहित्य का आदिकाल।

@Gyansindhu competition Classes

15. हिंदी का प्रथम व्याकरण लिखने वाले विद्वान हैं– जेशुआ केटलर

16. "इश्क भरा है देख ले और जगत से दूर।
एक अचंभा हमने देखा देहरी का नासूर।।" अमीर खुसरो की उपर्युक्त पहेली से क्या अभिप्राय है? – कुआं

17. "अपभ्रंश के जो नमूने हमें पद्यो में मिलते हैं वे उस काव्य भाषा के हैं जो पुरानेपन के कारण बोलने की भाषा से कुछ

Gyansindhu competition Classes

अलग बहुत दिनों तक आदिकाल के अंत क्या उसके पीछे तक पोथियों में चलती रही।" उपर्युक्त कथन किसका है?- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

18. वीरगाथा कालीन रासो काव्य में निम्नलिखित में से किस विषय का वर्णन है?- आश्रयदाताओं का अतिरंजनापूर्ण वर्णन, इतिहास और कल्पना का सम्मिश्रण , युद्धों का सजीव एवं गत्यात्मक वर्णन

@Gyansindhu competition Classes

19. मिश्र बंधुओं ने रीतिकाल को नाम दिया है 'अलंकृत काल'

20. हिंदी साहित्य के आदिकाल को 'सिद्ध सामंत काल' किसने कहा- राहुल सांकृत्यायन ने

21. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास पुस्तक है- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी की

22. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास के लेखक - डॉ बच्चन सिंह

Gyansindhu competition Classes

23. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी- नंददुलारे वाजपेई
24. हिंदी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय तथा रामचंद्र शुक्ल हिंदी
25. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा

Gyansindhu competition Classes

26. आचार्य नंददुलारे वाजपेई की कृतियां – जयशंकर प्रसाद, आधुनिक साहित्य, महाकवि सूरदास, रस सिद्धांत, नया साहित्य नए प्रश्न, रीति और शैली

27. "मैं इस्लाम के महत्व को भूल नहीं रहा हूं लेकिन जोर देकर कहना चाहता हूं कि अगर इस्लाम न आया होता तो भी इस साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसा आज है।" भक्ति

@yansindhu competition Classes

आंदोलन के संदर्भ में यह कथन है - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का।

28. "काल प्रवृत्ति का निर्णय प्राप्त ग्रंथों की संख्या द्वारा नहीं निर्णीत हो सकता बल्कि उस काल की मुख्य प्रेरणादायक वस्तु के आधार पर ही हो सकता है।" यह कथन है - हजारी प्रसाद द्विवेदी का।

@Gyansindhu Competition Classes

29. जिस काल विभाग के भीतर किसी विशेष ढंग की रचनाओं की प्रचुरता दिखाई पड़ी है वह एक अलग काल माना गया है और उनका नामकरण उन्हीं रचनाओं के स्वरूप के अनुसार किया गया है। – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

30. इतिहास का एक वृत्तात्मक लेखन सबसे प्रथम मिश्र बंधुओं के विनोद में पाया जाता है– यह कथन है– डॉ रामकुमार वर्मा का

©Gyansindhu competition Classes

31. किसने मितश्रबंधु विनोद को बड़ा भारी कवि वृत्त संग्रह तथा मिश्र बंधुओं को 'परिश्रमी संकलनकर्ता' कहा है - आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

32. मिश्रबंधु विनोद में चारों भागों में लगभग कितने कवियों का विवरण है - 5000 कवियों का (परिचयात्मक उल्लेख)

33. हिंदुस्तानी को सर्वप्रथम हिंदी किस विद्वान ने कहा- जॉन गिलक्रिस्ट ने

Gyansindhu Competition Classes

34. 'मिश्र बंधु विनोद' के प्रथम तीन भागों का प्रकाशन हुआ – सन 1913 ईस्वी में

35. मिश्रबंधु विनोद के चतुर्थ भाग का प्रकाशन हुआ सन 1934 ई. में

36. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास के लेखक हैं – रामकुमार वर्मा।

@Gyansindhu competition Classes

37. रामचंद्र शुक्ल का हिंदी साहित्य का इतिहास किस ग्रंथ की भूमिका के रूप में छपा -हिंदी शब्द सागर।

38. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास के लेखक हैं -हजारी प्रसाद द्विवेदी

39. तजकिरा - ई - शुअरा ई - हिन्दी के लेख के हैं- मौलवी करीमुद्दीन।

©gyansindhu competition Classes

40. प्रत्येक देश का साहित्य वहां की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिंब होता है तब यह निश्चित है , कि जनता की चित्तवृत्ति के परिवर्तन के साथ-साथ साहित्य के स्वरूप में भी परिवर्तन होता चला जाता है। कथन किस विद्वान का है – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

41. 'हिंदी भाषा का उद्गम और विकास' कृति के लेखक हैं – उदय नारायण तिवारी

Gyansindhu competition Classes

42. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन में काल विभाजन एवं नामकरण का प्रथम प्रयास करने वाले विद्वान हैं- डॉक्टर ग्रियर्सन

43. हिंदी नवरत्न का रचना काल माना जाता है - 1910 ईस्वी

44. आधुनिक काल को 'गद्यकाल' कहने वाले विद्वान हैं - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

@gyanisindhu competition Classes

45. आ. रामचंद्र शुक्ल ने शब्द सागर में लिखित किस शीर्षक लेख को परिवर्तित तथा परिमार्जित कर हिंदी साहित्य का इतिहास लिखा -हिंदी साहित्य का विकास

46. आ0 शुक्ल के अनुसार भक्ति काल का समय -संवत 1375 से 1700 तक

47. हिंदी गद्य के उद्भव काल में संस्कृतनिष्ठ हिंदी का पक्ष लिया था - राजा लक्ष्मण सिंह ने।

Gyansindhu competition Classes

48. हिंदी साहित्य के प्रथम काल अर्थात आदिकाल को वीर काल किसने कहा -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने
49. हिंदी साहित्य का इतिहास प्रकाशित हुआ 1929 ईस्वी में
50. अमीर खुसरो का पूरा नाम- अबुल हसन यमीनुद्दीन खुसरो
51. भाषा काव्य संग्रह के लेखक महेश दत्त शुक्ल है।
52. उत्तर अपभ्रंश का नाम पुरानी हिंदी करने वाले विद्वान कौन है- चंद्रधर शर्मा गुलेरी।

Gyansindhu competition Classes

53. आचार्य शुक्ल के अनुसार हिंदी साहित्य का आविर्भाव कब से माना जाता है- प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से ।

54. काशी नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापक में हैं श्यामसुंदर दास, ठाकुर शिव कुमार सिंह, राम नारायण मिश्र (प्रथम सभापति राधा कृष्ण दास थे।)

55. हिंदी साहित्य का नया इतिहास के लेखक हैं- रामखेलावन पांडे।

Gyansindhu competition Classes

56. "साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।" परिभाषा किसकी है- पं. बालकृष्ण भट्ट।

57. "मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।" कथन किसका है- हजारी प्रसाद द्विवेदी

58. "अंतःकरण की व्रतियों के चित्र का नाम कविता है।' कथन किसका है - महावीर प्रसाद द्विवेदी।

Gyansindhu competition Classes

59. 'हिंदी साहित्य का अतीत' के लेखक हैं- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

60. आचार्य शुक्ल द्वारा रचित 'हिंदी साहित्य का इतिहास' में 'आधुनिक गद्य साहित्य परंपरा का प्रवर्तन' के अंतर्गत प्रथम उत्थान की कालावधि निर्धारित की गई है- संवत 1925 से संवत 1950 वि0 तक

@Gyansindhu Competition Classes

61. साहित्य का इतिहास दर्शन- ग्रंथ किसका है- नलिन विलोचन शर्मा का

62. रीतिकाल का समय है- 1700 से 1900 वि0 सं0 तक।

63. आदिकाल को वीरगाथा काल नाम दिया - आचार्य शुक्ल ने

64. हिंदी में हिंदी साहित्य का इतिहास सबसे पहले लिखा शिव सिंह सिंगर ने (शिव सिंह सरोज नामक) 1883 ई.

Gyansindhu competition Classes

65. हिंदी साहित्य विमर्श व विश्व साहित्य के लेखक– पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

66. हिंदी नवरत्न के लेखक – मिश्र बंधु (1910ई.)

67. हिंदी नवरत्न में किन नौ कवियों को स्थान मिला– तुलसीदास, सूरदास, महाकवि देव, बिहारी लाल, त्रिपाठी बंधु – भूषण और मतिराम, केशवदास, कबीरदास, चंदबरदाई, भारतेंदु हरिश्चंद्र।

@gyansindhu Competition Classes

68. काल क्रमानुसार लिखित हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास ग्रंथ है- 'इस्तवार द ला लितरेत्योर ऐंदुई ऐंदुस्तानी'

69. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का सूत्रपात या प्रवर्तन किसने किया- गार्सा द तासी ने।

70. "यदि मैं खुद उर्दू का बड़ा पक्षपाती हूं लेकिन मेरे विचार में हिंदी को विभाषा या बोली कहना उचित नहीं है" कथन है - गार्सा द तासी का

Gyansindhu competition Classes

71. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास तथा आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास के लेखक हैं- बच्चन सिंह।

72. 'आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां' ग्रंथ किसका है- नामवर सिंह का।

73. हिंदी साहित्य का आधार इतिहास लेखिका- सुमन राजे

74. 'हिंदी शब्दानुशासन' के लेखक- किशोरी दास बाजपेई।

Gyansindhu competition Classes

75. डॉक्टर ग्रियर्सन द्वारा लिखित 'द मॉडर्न वर्नाकुलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिंदुस्तान' का हिंदी अनुवाद किसने किया – डॉक्टर किशोरी लाल गुप्त

76. "कविता का विषय मनोरंजन एवं उपदेश जनक होना चाहिए।" कथन किसका है – महावीर प्रसाद द्विवेदी

77. "काव्य संसार के प्रति कवि की भाव प्रधान (किंतु छुद्र वैयक्तिक संबंधों) मानसिक प्रतिक्रियाओं की कल्पना के ढांचे

Gyansindhu competition Classes

में डली हुई प्रेमरूपा प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति है।" कथन है – बाबू गुलाब राय का

78. "सबसे उत्तम कहानी वह होती है जिसका आधार किसी मनोवैज्ञानिक सत्य पर होता है।" कथन है – प्रेमचंद का।

79. हिंदी साहित्य के इतिहास को व्यवस्थित रूप देने का श्रेय जाता है – आचार्य शुक्ल को

@Gyansindhu competition Classes

80. भक्ति काल को पूर्व मध्यकाल तथा रीतिकाल को उत्तर मध्यकाल के नाम से किसने अभिहित किया - आचार्य शुक्ल ने

81. परिवर्तन काल की समय सीमा मिश्र बंधुओं ने कितनी तय की है- संवत 1890 से 1925 विक्रमी संवत

82. हिंदी कोविद रत्नमाला के लेखक हैं- बाबू श्यामसुंदर दास

Gyansindhu Competition Classes

83. अंग्रेजी भाषा में लिखा गया 'हिंदी साहित्य का इतिहास' स्केच आफ हिंदी लिटरेचर के लेखक कौन हैं - पादरी एडमिन ग्रीव्स।

84. "जैसे पुराना चावल ही बड़े आदमियों के खाने योग्य समझा जाता है, वैसे ही अपने समय से कुछ पुरानी पड़ी हुई परंपरा के गौरव से युक्त भाषा ही पुस्तक रचने वालों के व्यवहार योग्य

Gyansindhu competition Classes

समझी जाती थी। कथन है - आचार्य रामचंद्र शुक्ल (हिंदी साहित्य का इतिहास -प्रकरण 4)

85. वह इतिहास ग्रंथ जिसमें लगभग 838 भाषा कवियों का वर्णन है- शिव सिंह सरोज

86. कविता का प्रति संसार, रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी आदि ग्रंथ किसके हैं -निर्मला जैन

@Gyansindhu competition Classes

87. ज्ञान राशि के संचित कोष का नाम साहित्य है, किसका कथन है - महावीर प्रसाद द्विवेदी का

88. सर्वप्रथम काल विभाजन का प्रयास किया जॉर्ज ग्रियर्सन ने

89. वीरगाथा काल को आदिकाल कहा - हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

Gyansindhu competition Classes

90. "रीतिकाल का नाम श्रृंगार काल होना चाहिए क्योंकि रीतिकाल नाम रखने से उसके विभाजन का मार्ग बंद हो जाता है।" कथन है- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र का।

91. कविता कौमुदी के संग्रहकर्त्ता है- रामनरेश त्रिपाठी (इसमें 15000+ लोक गीतों का संग्रह)

92. मिश्रबंधुओं के अनुसार हिंदी का प्रथम गद्य लेखक - गोरखनाथ।

Gyansindhu Competition Classes

93. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की ऐतिहासिक दृष्टि युग की परिस्थितियों को प्रमुखता प्रदान करती है।

94. किस लेखक ने कालो की रचनाओं का विशेष प्रवृत्ति के अनुसार उनका नामकरण किया – आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने

95. वर्ण क्रमानुसार लिखा गया हिंदी साहित्य के इतिहास का प्रथम ग्रंथ कौन सा है– 'इतवार द ला लितरेत्योर ऐंदुई ऐंदुस्तानी'।

©Gyansindhu competition Classes

96. हिंदी साहित्य का आरंभ 693 ई. से मानने वाले इतिहासकार हैं - डॉ रामकुमार वर्मा

97. डॉ गणपतिचंद्र गुप्त के अनुसार हिंदी साहित्य के इतिहास का पुनर्लेखन किस दृष्टिकोण के अनुसार किया जाना चाहिए - स्वतंत्र, तटस्थ एवं संतुलित दृष्टि से

98. उत्तर मध्य काल को कलाकाल कहा- रमाशंकर शुक्ल रसाल ने

Gyansindhu competition Classes

99. इतिहास लेखन की सबसे विकसित पद्धति है विषयवादी पद्धति (आचार्य शुक्ल ने अनुसरण किया)

100. आचार्य शुक्ल के इतिहास ग्रंथ में कालों के नामकरण का आधार है – युग की प्रवृत्ति

101. कौन से इतिहास ग्रंथ में लगभग 5000 कवियों का विवरण मिलता है – मिश्र बंधु विनोद (4591 कवि)

@Gyansindhu competition Classes